* A P - 1 1 1 6 *

AP-1116

Seat No. _____

M. A. (Part - I) Examination

March/April – 2016

Hindi : Paper - I

(Prachin Madhyakalin Poetry)

(New Course)

Time : **3** Hours] [Total Marks : **100**

सूचना : (१) इस प्रश्नपत्र में कुल पाँच प्रश्न है ।

(२) प्रत्येक प्रश्न के अंक प्रश्न के सामने निर्दिष्ट है ।

१ रासो काव्य परम्परा का परिचय देते हुए 'पृथ्वीराज रासो' का संक्षिप्त परिचय दीजिए । २०

अथवा

१ कबीर के काव्य में मानवतावाद की प्रतिष्ठा हुई है । इस कथन की समीक्षा कीजिए । २०

२ 'सूरदास' ने भ्रमरगीत द्वारा निर्गुण उपासना का खण्डन और सगुण उपासना का समर्थन किया है – चर्चा कीजिए । २०

अथवा

२ सतसई परम्परा का परिचय देते हुए उसमें 'बिहारी सतसई' का स्थान निर्धारित कीजिए । २०

३ सिद्ध कीजिए कि नागमती का विरह–वर्णन हिन्दी साहित्य की अनुपम निधि है । २०

अथवा

३ अयोध्या काण्ड के कथानक की विशेषताओं का निरूपण कीजिए । २०

४ ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : (कोई दो) २०

(१) मौकों कहाँ ढूंढे बन्दे मैं तो तेरे पास में ।
नामैं देवल ना मै मस्जिद, ना काबे कैलास में ।
ना तो कौन क्रिया–कर्म में नहीं योग बैराग में ।
खीजी होय तो तुरतै मिलि हो पलभर की तलास में ।
कहै कबीर सुनो भाई साधो, सब खाँसी की स्वास में ।

(२) आयो घोष बडो व्यापारी ।
लाद खेप गुन ज्ञान जोग की ब्रज में आय उतारी
फाटक दै के हाटक माँगत भौरे निपट सु धारी ।
घुर ही ते खोटो खायो है लिए फिरत सिर भारी ।

(३) मेरी भव बाधा हरो
राधा नागरी सोई ।
जा तनु की जाँई परै
स्याम हरिन द्युति होई !

(४) सुन हूँ प्राणप्रिय भावतजी का देहु एक वर भरतहिं टीका ।
माँगौ दूसरा वर कर जोरी पुरवहु नाथ मनोरथ मोरी ।
तापस वेष बिसेषि उदासी चौदह बरिस रामु वनवासी ।
सुनि मृदु बचन भूष हिय सोकु ससिकर छुअन विकल जिमि कोलू ।

५ (अ) टिप्पणियाँ लिखिए : (कोई दो) १०

(१) 'लयमासवद' में नख–शिख वर्णन

(२) सूरदास का वात्सल्य भाव

(३) बिहारी की बहुज्ञता

(४) 'पद्मावत' में प्रकृति–चित्रण

(ब) एक वाक्य में उत्तर दीजिए । १०

(१) महाराज पृथ्वीराज के परम मित्र कौन थे ?

(२) महाराज पृथ्वीराज किसके विरह में व्याकुल थे ?

(३) तुलसीदास किस काव्य परम्परा के कवि हैं ?

(४) तुलसीदास की पत्नी का नाम क्या था ?

(५) 'पद्मावत' के रचनाकार कौन है ?

(६) राजा रत्नसेन की पत्नी का नाम क्या था ?

(७) कबीर किस परम्परा के श्रेष्ठ कवि थे ?

(८) सूर की गोपियाँ किसके माध्यम से उद्धव पर व्यंग्य करती है ?

(९) सतसइयाँ के दोहरे ज्यों नावक के तीर... यह उक्ति किसके विषय में कही गई है ?

(१०) कबीर के गुरु का नाम क्या था ?